दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

स्नातक (हिंदी)

सत्र 2025-26 के लिए

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

सत्र 2025-26 के लिए स्नातक (संस्थागत) का पाठ्यक्रम

कक्षा	सेमेस्टर	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्न पत्र कोड	क्रेडिट	टिप्पणी
स्नातक प्रथम वर्ष	प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास	HND 101 F	6	Certificate In Faculty
स्नातक प्रथम वर्ष	द्वितीय	आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	HND 102 F	6	
स्नातक द्वितीय वर्ष	तृतीय	हिन्दी निबंध, नाटक और नवीन गद्य विधाएं	HND 201 F	6	Diploma In Faculty
स्नातक द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	हिन्दी कथा साहित्य	HND 202 F	6	
		रिसर्च प्रोजेक्ट / डिजर्टेसन / फील्ड वर्क	**HND 200 F**	**3**	
स्नातक तृतीय वर्ष	पंचम	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (प्रथम)	HND 301, A010501T	3	UG DEGREE
		साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (द्वितीय)	HND 302, A010501 T	2	
		हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (प्रथम)	HND 303, A010502T	3	
		हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (द्वितीय)	HND 304, A010502T	2	
स्नातक तृतीय वर्ष	षष्टम	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि(प्रथम)	HND 305, A010601T	3	
		भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (द्वितीय)	HND 306, A010602 T	2	
		लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति (प्रथम)	HND 307, A010602 T	3	
		लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति (द्वितीय)	HND 308 , A010602 T	2	

Programme: B.A		स्नातक प्रथम वर्ष	Semester : I[st]
Course Code: HND-101F	क्रेडिट: 6	Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास	90 घंटे

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य के इतिहास दर्शन एवं हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा से परिचित कराते हुए उनमें हिंदी साहित्य और संवेदना के क्रमिक विकास का सहजबोध विकसित करना है इससे विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियों और उपलब्धियों की विस्तृत, व्यवस्थित और गहन जानकारी संभव होगी।

UNIT	TOPIC	Credit	Hours
1	आदिकाल का सामान्य परिचय एवं पृष्ठभूमि, आदिकाल का परिवेश (सामाजिक,सांस्कृतिक एवं राजनीतिक) और साहित्यिक पृष्ठभूमि – सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य और लौकिक साहित्य, इतिहास लेखन परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण	1	15
2	भक्ति काल की पृष्ठभूमि और परिवेश (सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परिस्थितियाँ) निर्गुण संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्य, राम भक्ति काव्य, भक्तिकालीन साहित्य का प्रदेय	1	15
3	रीतिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश (सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक) रीतिकाल की प्रवृत्तियां - रीतिबद्ध , रीति सिद्ध , रीतिमुक्त	1	15
4	आधुनिक काल: पृष्ठभूमि और परिवेश, मध्ययुगीनता और आधुनिकता में अंतर, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग,छायावादयुग: काव्य एवं प्रवृत्तियां	1	15
5	विविध काव्यान्दोलन एवं प्रवृत्तियां - प्रगतिवाद , प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता, नवगीत: पृष्ठभूमि, परिवेश एवं प्रवृत्तियां	1	15
6	हिंदी गद्य: उद्भव और विकास, कहानी और कहानी आंदोलन, नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास, एकांकी और आलोचना, उद्भव और विकास, हिंदी की प्रकीर्ण विधाएं : जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण, व्यंग, डायरी, रिपोर्ताज आदि	1	15

संदर्भ ग्रंथ सूची : -

1. रामचंद्रशुक्ल: 'हिंदी साहित्य का इतिहास' लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी:' हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी: ' हिंदी साहित्य की भूमिका' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. राम स्वरूप चतुर्वेदी: 'हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास' लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. बच्चन सिंह: 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास' राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. बच्चन सिंह: 'आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
7. मैनेजर पांडेय: 'साहित्य और इतिहास' दृष्टि वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. नंददुलारे बाजपेयी: 'साहित्य की बीसवीं शताब्दी' लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. रामविलास शर्मा: 'भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. डॉ नगेंद्र: 'हिंदी साहित्य का इतिहास' मयूर प्रकाशन, दिल्ली
11. विश्वनाथ त्रिपाठी: 'हिंदी साहित्य का सरल इतिहास'

Programme: B.A		स्नातक- प्रथम वर्ष	Semester : II nd
Course Code: HND-102F	क्रेडिट: 6	**Course Title:** आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य	90 घंटे

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य और कवियों से परिचित कराते हुए उनकी संवेदना और काव्यगत विशेषताओं का बोध कराना है, इससे विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आदिकाल एवं मध्यकाल के कवियों और उनके काव्य के संबंध में विस्तृत और गहन जानकारी हो सकेगी।

UNIT	TOPIC	Credit	Hours
1	**गोरखनाथ** : (गोरखबानी : सं. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल) सबदी संख्या – 1 ,4,7,8,16, पद संख्या– 10 , 11 आलोचना : गोरखनाथ का दर्शन , काव्यगत विशेषताएँ , प्रदेय । **अमीर खुसरो** : (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : परमानंद पांचाल) कव्वाली –घ(1), गीत – ड. (04),13, दोहा-च-(05) गोरी सोंवे , खुसरो रैना देख में , चकवा-चकवी,सेज सुनी आलोचना– साहित्य साधना, विशेषताएँ । **विद्यापति** : (विद्यापति पदावली : रामवृक्ष बेनीपुरी) पद -1,2,9,33,217 आलोचना – विषयवस्तु, भाव सौन्दर्य, शिल्प विधान , गीत कला ।	1	15
2	**कबीर** : (कबीरदास : सं. श्यामसुंदर दास) साखी : गुरुदेव कौ अंग – 1,9,10,11,20, बिरह कौ अंग – 6,12,22,24,45, पदावली – 1,11,16 आलोचना – भक्ति, दर्शन, रहस्य चेतना , सौन्दर्य , महत्व । **मलिक मोहम्मद जायसी** : (जायसी ग्रंथावली: सं. रामचंद्र शुक्ल) स्तुतिखंड- 7, सिंघलद्वीप वर्णन खंड-18, मानसरोदक खंड -8, नखशिख खंड - 1, 2 नागमती वियोग खंड -5 आलोचना – प्रेम संवेदना , वियोग वर्णन, सौन्दर्य चेतना, रहस्यवाद, काव्यकला ।	1	15
3	**सूरदास** : (भ्रमरगीत सार : सं0 रामचंद्र शुक्ल) पद संख्या - 7,12,23,24,26 आलोचना – सूर का काव्य सौंदर्य, भक्ति भावना, विरह वर्णन, वात्सल्य वर्णन और सौंदर्य वर्णन । **तुलसीदास** : (श्री रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेस) अयोध्या कांड - 28 से 41 आलोचना- काव्य सौंदर्य, भक्ति भावना, लोकमंगल, समन्वय भावना ।	1	15
4	**मीराबाई**- (मीरा का काव्य : सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी) आरंभ के 10 पद आलोचना- (भक्ति भावना, रहस्य चेतना, गीत तत्व, काव्य सौंदर्य, स्त्री संवेदना । **रसखान**- (रसखान रचनावली : सं0 विद्यानिवास मिश्र) सुजान रसखान : 2,3,7,10,13,18,27,55,56,73 आलोचना- भक्ति, भाव सौंदर्य, काव्य सौंदर्य ।	1	15
5	**केशवदास**- (रीति काव्यधारा : सं0 डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी) वन मार्ग में राम- छंद- 37 से 41 तक, आलोचना- केशव का आचार्यत्व, स्वाद योजना, काव्य सौन्दर्य । **भूषण**-(रीति काव्यधारा : सं0 डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी) शिवाजी प्रशस्ति – छंद 9 से 13 तक आलोचना – काव्यगत विशेषताएँ , वीर भावना , राष्ट्रीय चेतना ।	1	15
6	**बिहारी:** (बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर) आरंभ के 20 दोहे आलोचना - काव्य सौंदर्य, भक्ति, नीति और श्रृंगार, बहुज्ञता **घनानंद:** (आनंदघन: सं0 रामदेव शुक्ल) आरंभ के 10 छंद आलोचना- प्रेम संवेदना, श्रृंगार- वर्णन, काव्य-कला ।	1	15

3

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. रीति काव्य धारा – सं0 डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रीति काव्य की भूमिका- डॉ. नगेंद्र, आधार प्रकाशन, हरियाणा
3. रीति काव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
4. रीति काव्य संग्रह – डॉ. जगदीश गुप्त, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड
5. बिहार का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. घनानंद का काव्य – डॉ. रामदेव शुक्ल, द मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया
7. सगुण भक्ति धारा के प्रतिनिधि कवि- डॉ. विमलेश कुमार मिश्र, प्रत्यूष प्रकाशन, गाजियाबाद
8. 'जायसी'- विजय देवनारायण साही, हिंदुस्तानी अकादेमी, इलाहाबाद 1983
9. 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य'- शिवकुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद 1999
10. 'हिंदी साहित्य की भूमिका'- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुंबई -1948
11. 'भक्ति काव्य की भूमिका'- दीपक प्रकाश त्यागी, भवदीय प्रकाशन, गोरखपुर
12. 'मध्ययुगीन काव्य साधना'- रामचंद्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या -1997

Programme: B.A		स्नातक- द्वितीय वर्ष	Semester : III rd
Course Code: HND-201F	क्रेडिट: 6	Course Title: हिंदी निबंध, नाटक एवं नवीन गद्य विधाएं	90 घंटे

हिंदी निबंध, नाट्य साहित्य एवं प्रकीर्ण विधाओं के स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए इन विधाओं के साहित्य एवं संस्कृति के प्रति उनकी चेतना और संवेदना का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

UNIT	TOPIC	Credit	Hours
1	**हिंदी गद्य साहित्य: उद्भव और विकास** **हिंदी निबंध:** उद्भव, विकास और विशेषताएं पाठ एवं व्याख्या: 'भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है'- भारतेंदु हरिश्चंद्र 'साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है'- बालकृष्ण भट्ट 'कवि कर्तव्य' – महावीर- प्रसाद द्विवेदी 'करुणा' - रामचंद्र शुक्ल आलोचना: विवेच्य निबंध और निबंधकार: महत्व और मूल्यांकन, निबंध शैली, निबंधकार	1	15
2	**हिंदी निबंध :** पाठ एवं व्याख्या 'देवदारू' -हजारी प्रसाद द्विवेदी 'साहित्य का दृष्टिकोण' - मुक्तिबोध 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' - विद्या निवास मिश्र 'संस्कृति का शेषनाग'- कुबेरनाथ राय आलोचना : विवेच्य निबंध और निबंधकार : महत्व और मूल्यांकन, निबंध शैली , निबंधकार	1	15
3	**हिन्दी नाटक :** उद्भव, विकास और विशेषताएँ 'अंधेरनगरी'-(भारतेंदु हरिश्चंद्र) : पाठ एवं व्याख्या आलोचना: विवेच्य नाटक का मूल्यांकन, वर्णित समस्याएं, सामाजिक, राजनैतिक चेतना, मूल्य एवं महत्व,और शिल्पगत वैशिष्ट्य	1	15
4	'ध्रुवस्वामिनी' – (जयशंकर प्रसाद): पाठ एवं व्याख्या आलोचना: नाट्य कला की दृष्टि से मूल्यांकन, वर्णित समस्याएं, ऐतिहासिकता एवं कल्पनिकता चारित्रिक विशेषताएं, मूल्य एवं महत्व और शिल्पगत वैशिष्ट्य	1	15
5	**नवीन गद्य विधाएं :** पाठ एवं व्याख्या आत्मकथा : 'अपनी खबर'- (बेचन शर्मा 'उग्र') जीवनी: 'प्रेमचंद घर में'- (शिवरानी देवी) व्यंग्य साहित्य: 'भोलाराम का जीव'- (हरिशंकर परसाई) आलोचना : विवेच्य आत्मकथा, जीवनी और व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन एवं महत्व, आत्मकथा और जीवनी में अंतर	1	15
6	पाठ एवं व्याख्या : यात्रा साहित्य: 'मेरी तिब्बत यात्रा' – (राहुल सांकृत्यायन) रेखाचित्र : 'गिल्लू'- (महादेवी वर्मा) संस्मरण : ऋण जल - धन जल, (रेणु) आलोचना : विवेच्य यात्रा साहित्य, रेखाचित्र, संस्मरण का मूल्यांकन एवं महत्व, रेखाचित्र - संस्मरण में अंतर	1	15

5

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1- दशरथ ओझा : हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

2- गिरीश रस्तोगी: हिंदी नाटकों का आत्मसंघर्ष

3- रामचंद्र तिवारी: हिंदी का गद्य साहित्य,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4- भारतेंदु हरिश्चंद्र: अंधेर नगरी

5- जयशंकर प्रसाद: ध्रुवस्वामिनी

6- कमला प्रसाद: समकालीन हिंदी निबंध, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

Programme: B.A		स्नातक – द्वितीय वर्ष	Semester : IV[st]
Course Code: HND-202F	क्रेडिट: 6	Course Title: हिन्दी कथा साहित्य	90 घंटे

इस प्रश्न-पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी कथा- साहित्य की विकास यात्रा, युगीन संदर्भों, तत्कालीन समय में घटित होने वाली घटनाओं एवं राजनीति, समाज और संस्कृति पर पड़ने वाले उसके प्रभावों से परिचित कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों में भारतीय जीवन और परंपरा की समझ विकसित होगी।

UNIT	TOPIC	Credit	Hours
1	हिंदी कहानी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, हिंदी कहानी का उद्भव और विकास • प्रेमचंद पूर्व कहानी • प्रेमचंद युगीन कहानी • प्रेमचंदोत्तर कहानी हिंदी उपन्यास : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास • प्रेमचंद पूर्व उपन्यास • प्रेमचंद युगीन उपन्यास • प्रेमचंदोत्तर उपन्यास	1	15
2	कहानी एवं कहानीकार : **व्याख्या उपर्युक्त कहानियों से:** 'पूस की रात'- प्रेमचंद, 'आकाशदीप' – प्रसाद, 'पाजेब' – जैनेन्द्र कहानी कला के तत्वों के आधार पर पठित कहानियों का महत्व एवं मूल्यांकन, संवेदना एवं शिल्प वैशिष्ट्य तथा महत्व ।	1	15
3	कहानी एवं कहानीकार : **व्याख्या उपर्युक्त कहानियों से:** 'रोज'-अज्ञेय , 'परदा '- यशपाल ,'संवदिया '-रेणु, कहानी कला के तत्वों के आधार पर पठित कहानियों का महत्व एवं मूल्यांकन, संवेदना एवं शिल्प वैशिष्ट्य तथा महत्व।	1	15
4	कहानी एवं कहानीकार : **व्याख्या उपर्युक्त कहानियों से-** 'वापसी'-उषा प्रियंवदा, 'जिंदगी और जोंक' –अमरकान्त, 'पिता'-ज्ञानरंजन कहानी कला के तत्वों के आधार पर पठित कहानियों का महत्व एवं मूल्यांकन, संवेदना एवं शिल्प वैशिष्ट्य तथा महत्व।	1	15
5	उपन्यास एवं उपन्यासकार : **व्याख्या : उपर्युक्त उपन्यास से-** 'कर्मभूमि'- प्रेमचंद उपन्यास कला के तत्व और 'कर्मभूमि' स्वाधीनता आंदोलन और 'कर्मभूमि' कर्मभूमि : समस्याएं, उद्देश्य और महत्व, संवेदना और शिल्प	1	15
6	उपन्यास एवं उपन्यासकार – **व्याख्या: उपर्युक्त उपन्यास से-**'महाभोज' – मन्नू भंडारी उपन्यास : कला के तत्व और 'महाभोज' 'महाभोज' : समस्याएं, उद्देश्य और महत्व, संवेदना और शिल्प'	1	15

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. नामवर सिंह : कहानी नयी कहानी
2. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग
3. रामदरश मिश्र : हिंदी कहानी एक अंतरंग पहचान
4. कमलेश्वर: नयी कहानी की भूमिका
5. गोपाल राय : हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. रामदरश मिश्र : हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा
7. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. मधुरेश : हिंदी उपन्यास का विकास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7

स्नातक : द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : शोध परियोजना / लघु शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क

प्रश्नपत्र कोड: ***HND 200 F***

क्रेडिट : 03

स्नातक द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में हिन्दी विषय का विद्यार्थी ०३ क्रेडिट का एक शोध परियोजना या लघु शोध प्रबन्ध या फील्ड वर्क करेगा । इस कार्य से विद्यार्थी में शोध के प्रति लगाव उत्पन्न होगा जो विषय की गहराई में उसे उतरने का एक मार्ग प्रशस्त करेगा।

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTER : V
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND301(A010501T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतो का ज्ञान प्राप्त करते हुए हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से परिचित हो सकेंगे, साथ ही वे साहित्य के अस्वाद के मूल्यांकन का विवेक भी अर्जित कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भारतीय साहित्यशास्त्र : काव्य : स्वरूप एवं संदर्भ** ▪ काव्य-लक्षण ▪ काव्य-प्रयोजन ▪ काव्य-हेतु
2	**भारतीय साहित्यशास्त्र : सिद्धान्त-परिचय** ▪ रस-सिद्धान्त ▪ ध्वनि-सिद्धान्त ▪ अलंकार-सिद्धान्त ▪ रीति-सिद्धान्त ▪ वक्रोक्ति-सिद्धान्त ▪ औचित्य-सिद्धान्त
3	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : चिंतक एवं सिद्धांत** ▪ प्लेटो एवं अरस्तू का अनुकरण-सिद्धान्त ▪ लांजाइनस का औदात्य-सिद्धान्त ▪ होरेस का औचित्य-सिद्धान्त
4	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : वाद एवं मान्यताएं** ▪ शास्त्रवाद ▪ नव्यशास्त्रवाद ▪ स्वच्छन्दतावाद ▪ यथार्थवाद ▪ नयी समीक्षा
5	**हिन्दी आलोचना : इतिहास एवं पद्धतियाँ** ▪ हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ▪ हिन्दी आलोचना की पद्धतियाँ : सैद्धान्तिक, व्यावहारिक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

9

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1994
6. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
7. रामचंद्र तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR Subject : Hindi	SEMESTER : V
COURSE CODE : HND302(A010501T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (द्वितीय)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतो का ज्ञान प्राप्त करते हुए हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से परिचित हो सकेंगे, साथ ही वे साहित्य के अस्वाद के मूल्यांकन का विवेक भी अर्जित कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भारतीय साहित्यशास्त्र :धारणाएं** ▪ काव्य-गुण ▪ काव्य-दोष ▪ शब्द-शक्तियाँ
2	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : धारणाएं** ▪ प्रतीक ▪ बिम्ब ▪ कल्पना ▪ फैन्टेसी
3	**हिन्दी आलोचना : प्रमुख आलोचक एवं उनकी मान्यताएँ** ▪ रामचन्द्र शुक्ल ▪ हजारी प्रसाद द्विवेदी ▪ नन्ददुलारे वाजपेयी ▪ रामविलास शर्मा ▪ नामवर सिंह

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1994
6. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़

7. रामचंद्र तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

12

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTR : V
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND303(A010502T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से समन्वित हिन्दी काव्य का अध्ययन करते हुए अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, प्रेम, त्याग, समर्पण एवं उत्सर्ग जैसे भावों का महत्व समझ सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के विकास का प्रेरक बन सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य : आदिकाल एवं मध्यकाल** ▪ आदिकालीन काव्य : राष्ट्रीय चेतना, देश-प्रेम और राज-भक्ति ▪ भक्तिकालीन काव्य : लोक-जागरण, सामाजिक-सांस्कृतिक समन्वय की चेतना और राष्ट्रीय चेतना ▪ रीतिकालीन काव्य : राजभक्ति और राष्ट्रीय चेतना
2	**हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य : आधुनिक काल** ▪ आधुनिक काल : युग-परिवेश एवं राष्ट्रीयता ▪ आधुनिक काव्य : सामन्तवाद-साम्राज्यवाद विरोधी चेतना और राष्ट्रीय चेतना ▪ राष्ट्रीय काव्य : नयी अवधारणा, राष्ट्रीय काव्य का आधुनिक विकास
3	**मध्यकाल : राष्ट्रीय काव्य और कवि** ▪ **गुरूगोविन्द सिंह :** कविताएं-देहु शिवावर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** कविताओं का भाव-सौन्दर्य, राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से पठित कविताओं का मूल्यांकन ▪ **भूषण :** कविताएं -इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निजम्यान ते मयूखैं, दारुण दहत हरनाकुस बिदारिबे कों **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** राष्ट्रीय चेतना और भूषण का काव्य, भूषण का काव्य :राज-प्रेम या राष्ट्र-प्रेम, काव्य-सौन्दर्य
4	**आधुनिक काल : नवजागरणकालीन राष्ट्रीय काव्य** ▪ **मैथिली शरण गुप्त :** कविताएं -आर्य, मातृभूमि, चेतना **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, भाव-पक्षऔर कला-पक्ष, कविताओं का महत्व

13

	• **रामनरेश त्रिपाठी :** कविताएं -पथिक, वह देश कौन-सा है? **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** रामनरेश त्रिपाठी की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
5	**छायावादयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** • **माखनलाल चतुर्वेदी :** कविताएं-पुष्प की अभिलाषा, जवानी, घर मेरा है? **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य और राष्ट्र-प्रेम, काव्य-सौन्दर्य • **सुभद्रा कुमारी चौहान :** कविताएं-वीरों का कैसा हो बसंत, झांसी की रानी, राखी की चुनौती **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** सुभद्रा कुमारी चौहान का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य

संदर्भ-ग्रंथ :

1. नगेंद्र (सं.), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. महीप सिंह, गुरुगोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1969
4. राजमल बोरा, भूषण साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2017
5. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
6. रामदरश मिश्र, आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक संदर्भ, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR Subject : Hindi
COURSE CODE : HND304(A010502T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (द्वितीय)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से समन्वित हिन्दी काव्य का अध्ययन करते हुए अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, प्रेम, त्याग, समर्पण एवं उत्सर्ग जैसे भावों का महत्व समझ सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के विकास में प्रेरक बन सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : एक** ▪ **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' :** कविताएं- प्राप्तव्य, कोटि-कोटि कंठों से निकली आज यही स्वरधारा है, सदा चांदनी **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** कविताएं-शहीद स्तवन, हिमालय, प्रणति (कलम आज उनकी जय बोल) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** दिनकर की कविताओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
2	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : दो** ▪ **सोहन लाल द्विवेदी :** कविताएं--तुम्हें नमन, बढ़े चलो बढ़े चलो, नववर्ष **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** सोहन लाल द्विवेदी का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **श्याम नारायण पाण्डेय :** पहली चिनगारी (जौहर) : थाल सजाकर किसे पूजने **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** श्याम नारायण पाण्डेय का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
3	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : तीन** ▪ **गोपाल सिंह नेपाली :** कविताएं-- नवीन कल्पना करो, स्वतंत्रता का दीपक (यह दिया बुझे नहीं), तू चिंगारी उड़कर री (भाई-बहन) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** गोपाल सिंह नेपाली की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी :** कविताएं --उठो धरा के अमर सपूतो, इतने ऊँचे उठो **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी के कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य

15

संदर्भ-ग्रंथ :

1. नगेंद्र (सं.), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
4. रामदरश मिश्र, आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक संदर्भ, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTER : VI
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND305(A010601T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन भाषा के स्वरूप और उसकी विशेषताओं के साथ भाषा-विज्ञान के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराएगा। विद्यार्थी इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा की विकास-यात्रा और उसके विभिन्न रूपों से अवगत होते हुए देवनागरी लिपि के भाषा-वैज्ञानिक स्वरूप से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भाषा एवं भाषा-विज्ञान का सामान्य परिचय :** ▪ **भाषा :** परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ ▪ **भाषा-विज्ञान :** परिभाषा, अंग एवं शाखाएँ
2	**हिन्दी की उत्पत्ति, रूप एवं शब्द-सम्पदा :** ▪ हिन्दी शब्द की उत्पत्ति ▪ हिन्दी के विविध रूप : डिंगल, पिंगल, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी ▪ हिन्दीकीशब्द-सम्पदा : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी एवं अन्य भारतीय भाषाओं से आगत शब्द
3	**हिन्दी की विभाषाएँ, उपभाषाएँ तथा बोलियाँ :** ▪ विभाषाएँ : हिन्दी, हिन्दवी, दक्खिनी हिन्दी, रेख्ता-रेख्ती, उर्दू, हिन्दुस्तानी ▪ उपभाषाएँ तथा उनकी बोलियाँ : 1. पश्चिमी हिन्दी और उसकी बोलियाँ 2. पूर्वी हिन्दी और उसकी बोलियाँ 3. राजस्थानी और उसकी बोलियाँ 4. पहाड़ी और उसकी बोलियाँ 5. बिहारी और उसकी बोलियाँ
4	**ध्वनि-विज्ञान एवं अर्थ-विज्ञान :** ▪ ध्वनि के पक्ष : उत्पादन, संवहन, ग्रहण, उच्चारण-अवयव ▪ ध्वनियों का वर्गीकरण : स्थान एवं प्रयत्न के आधार पर ▪ ध्वनि-परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ ▪ शब्द एवं अर्थ : शब्द-अर्थ का सम्बन्ध एवं अर्थबोध के साधन ▪ अर्थ-परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ
5	**भाषा, लिपि एवं देवनागरी लिपि :** ▪ भाषा एवं लिपि : सम्बन्ध एवं महत्व ▪ देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव एवं विकास

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. अनन्त चौधरी, नागरीय और हिन्दी वृर्तनी, बिहार हिन्दी गन्थ अकादमी, पटना, 1973
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
4. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2019
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
7. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
8. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
9. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सत्य नारायण त्रिपाठी, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981

PROGRAMME/CLASS	B.A. III YEAR Subject : Hindi
COURSE CODE : HND306(A010601T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (द्वितीय)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन भाषा के स्वरूप और उसकी विशेषताओं के साथ भाषा-विज्ञान के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराएगा। विद्यार्थी इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा की विकास-यात्रा और उसके विभिन्न रूपों से अवगत होते हुए देवनागरी लिपि के साथ क्षेत्रीय बोली 'भोजपुरी' के भाषा वैज्ञानिक और व्याकरणिक स्वरूप से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भाषा-विज्ञान एवं हिन्दी भाषा :** ▪ भाषा-विज्ञान का इतिहास ▪ भाषा विज्ञान एवं अन्य ज्ञानानुशासनों का अन्त:सम्बन्ध ▪ हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास : आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल
2	**हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं देवनागरी लिपि :** ▪ राजभाषा आयोग एवं राजभाषा अधिनियम ▪ हिन्दी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा ▪ देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता, समस्याएँ एवं सुधार
3	**क्षेत्रीय बोली : भोजपुरी** ▪ भोजपुरी की ध्वनियाँ ▪ भोजपुरी की रूप-रचना ▪ भोजपुरी के विभिन्न रूप

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. अनन्त चौधरी, नागरीय और हिन्दी वृत्तनी, बिहार हिन्दी गन्थ अकादमी, पटना, 1973
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
4. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2019
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
7. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
8. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
9. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सत्य नारायण त्रिपाठी, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981

19

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTR : VI
Subject : Hindi		
COURSE CODE : HND307(A010602T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में मौखिक एवं श्रुति परम्परा के साहित्य की विशाल सम्पदा के प्रति अध्ययन और विवेचन की अभिरुचि का विकास हो सकेगा। वे लोकसाहित्य में अभिव्यक्त लोक-सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व से परिचित होते हुए उसके संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**लोक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप** ▪ **लोक :** अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा ▪ **लोक साहित्य :** परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ एवं महत्व
2	**लोक साहित्य, शिष्ट साहित्य एवं लोक-संस्कृति :** ▪ लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य : अर्थ, स्वरूप, अन्तर एवं सम्बन्ध ▪ लोक-संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप तथा लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति का अन्त:सम्बन्ध
3	**लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन :** ▪ लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन : आवश्यकता एवं महत्व ▪ लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन : विधियाँ एवं कठिनाइयाँ
4	**लोक साहित्य की प्रमुख विधाएँ : स्वरूप, वर्गीकरण एवं महत्व** ▪ लोकगीत ▪ लोकगाथा ▪ लोककथा ▪ लोकनाट्य
5	**लोक साहित्य की प्रकीर्ण विधाएँ : स्वरूप , वर्गीकरण एवं महत्व** ▪ लोकोक्तियाँ ▪ मुहावरे ▪ पहेलियाँ

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
2. कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
3. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
4. दिनेश्वर प्रसाद, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
5. श्रीधर मिश्र, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिन्दुस्तानी, एकेडमी, प्रयागराज, 1971
6. श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1973

7. सत्येन्द्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971

PROGRAMME/CLASS	B.A. III YEAR	SEMESTER : VI
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND308(A010602T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (द्वितीय)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में मौखिक एवं श्रुति परम्परा के साहित्य की विशाल सम्पदा के प्रति अध्ययन और विवेचन की अभिरुचि का विकास हो सकेगा। वे इस लोकसाहित्य में अभिव्यक्त लोक-सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व से परिचित होते हुए उसके संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे तथा भोजपुरी लोकसाहित्य एवं भोजपुरी साहित्य के अन्तःसम्बन्धों की पहचान करते हुए उनके स्वरूप और विशेषताओं से भी अवगत हो सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी का लोक साहित्य :** ▪ हिन्दी लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास : उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ▪ हिन्दी का लोक साहित्य : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
2	**भोजपुरी : क्षेत्र, भाषा एवं संस्कृति** ▪ भोजपुरी, अर्थ, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार एवं भाषा ▪ भोजपुरी लोक संस्कृति : स्वरूप एवं विशेषताएँ
3	**भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य :** ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य : स्वरूप और विशेषताएँ ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य में आचंलिकता ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य : अन्तर और सम्बन्ध ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य : आधुनिक संदर्भ

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
2. कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
3. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
4. दिनेश्वर प्रसाद, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
5. श्रीधर मिश्र, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिन्दुस्तानी, एकेडमी, प्रयागराज, 1971
6. श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1973
7. सत्येन्द्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971